Under CSR Support by
ipca | Foundation
नए परीक्षा पैटर्न पर आधारित
RSSB CET 2026
12th Level + Graduation Level
HINDI #6
समास प्रकरण
Theory + MCQs + PYQs
एकदम ZERO LEVEL से शुरुआत
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
हिंदी

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

5. द्वंद्व समास :-

①/② - सभी | दोनों पदों की प्रधानता

→ कोई भी पद अप्रधान नहीं होता है।

→ ☆ सामासिक विग्रह करते समय और | या | आदि शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

→ इस समास में विलोम शब्दों का भी प्रयोग किया जाता है।

→ इस समास में योजक विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

→ विलोम शब्दों के बीच योजक लगाया जाता है।

→ माता-पिता = माता और पिता

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

विग्रह के आधार पर द्वंद्व समास के प्रकार = 03.

1. इतरेतर द्वंद्व समास — और ✓
2. वैकल्पिक द्वंद्व समास — या ✓
3. समाहार द्वंद्व समास — आदि ✓

1. माता-पिता — माता और पिता
2. कृष्णार्जुन — कृष्ण और अर्जुन
3. गौरीशंकर — गौरी और शंकर
4. राधेश्याम — राधा और श्याम
5. जीवजन्तु — जीव और जन्तु

- लाभ-हानि — लाभ या हानि
- पाप-पुण्य — पाप या पुण्य
- सत्यासत्य — सत्य या असत्य
- शुभाशुभ — शुभ या अशुभ
- भक्ष्याभक्ष्य — भक्ष्य या अभक्ष्य

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

नोट :- जब दो संख्याओं का बोध हो तो सामासिक विग्रह करते समय 'और' का प्रयोग किया जाता है किन्तु छोटी संख्या को पहले लिखा जाता है।

• ग्यारह (10+1)	एक और दस
• चौदह (10+4)	चार और दस
• अट्ठारह (10+8)	आठ और दस
• पच्चीस (20+5)	पाँच और बीस
• सत्ताईस (20+7)	सात और बीस
• इकतीस (30+1)	एक और तीस
• छत्तीस (30+6)	छह और तीस

39
41
44
48
52
53
96
88

56 = 6+50
59 = 9+50
63 = 3+60
66 = 6+60
69 = 9+60
72 = 2+70
77 = 7+70

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- चालीस — ×

- चालीस विद्यार्थी = चालीस विद्यार्थियों का समूह ✓
  → द्विगु

- इक्कीस — एक और बीस = द्वंद्व समास ✓

- इक्कीस आदमी = इक्कीस आदमियों का समूह
  → द्विगु समास ✓

mg

Under CSR Support by
Ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- चाय-वाय — चाय, वाय आदि ✓
- चाय-पानी — चाय, पानी आदि ✓
- कपड़े-लत्ते — कपड़े, लत्ते आदि ✓
- कीड़ा-मकौड़ा — कीड़ा, मकौड़ा आदि ✓
- आस-पास — आस, पास आदि ✓
- आस-पड़ोस — आस, पड़ोस आदि ✓
- दाल-रोटी — दाल, रोटी आदि ✓
- दालभात — दाल, भात आदि ✓

आदि | इत्यादि ✓

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

6. बहुव्रीहि समास :—

= दोनों पद अप्रधान ✓ | कोई पद प्रधान नहीं।

→ अर्थ की प्रधानता के आधार पर तीसरा या अन्य पद प्रधान होता है।

• पूर्व पद + उत्तर पद → ✗ ✗

अन्य पद (अर्थ) ✓ → प्रधान

श्वेत + अम्बर = सरस्वती | महान + वीर = हनुमान

बहु + व्रीहि = किसान | व्यापारी | नीला + कण्ठ = शिवजी

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

NOTE :- पौराणिक पात्रों, देवी-देवताओं और प्रसिद्ध ऋषि-मुनियों के पर्यायवाची शब्दों में प्राय: बहुव्रीहि समास होता है।

• इन्द्र जी

शिव जी
विष्णु
कामदेव
हनुमान
पार्वती

• लक्ष्मी
• सीता
• राम
• ब्रह्मा
•

• सरस्वती
• द्रौपदी
• रावण
• सुग्रीव
• सुलोचना

• गणेश
• कार्तिकेय
• कृष्ण जी

निर्जन •
चक्षुश्रवा •
वीणापाणि •
चक्रपाणि •
शूलपाणि •